लखनऊ: लॉकडाउन में बाइक सीज हुई तो कंपनी ने नौकरी से निकाला; परिवार का खर्च चलाने वाले इकलौते बेटे ने तनाव में खुदकुशी कर ली

लखनऊ
एक महीने पहले

आदित्य मिश्रा। - फाइल फोटो

- बाइक सीज न होती तो नौकरी न जाती, तब शायद जिंदा होता युवक
- जिले के हुसैनगंज क्षेत्र के छितवापुर इलाके में सामने आया यह मामला

Advertisement Advertisement

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 25 वर्षीय युवक ने कोरियर कंपनी से नौकरी जाने के कारण खुदकुशी कर ली। पिछले दिनों युवक की बाइक को

वीडियो और देखें

फीडबैक दें

आज का राशिफल मेष

मेष | Aries

पॉजिटिव - आज आपके स्वभाव में भरपूर उदारता और भावुकता रहेगी। साथ ही घर-परिवार के संबंधियों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। बाहरी गतिविधियों और मित्रों से संपर्क आपके

और पढ़ें

Advertisement

Advertise with Us | Terms of Use | Contact Us | RSS | Cookie Policy | Privacy Policy

Download App from
GET IT ON Google Play
Download on the App Store
Follow us on

परिजन का कहना है कि बेटे को गम तो इस बात का था कि गाड़ी सीज होने के कारण कोरियर कंपनी ने उसकी नौकरी छीन ली। इकलौता बेटा ही घर के खर्च उठाता था।

गोमतीनगर में कोरियर कंपनी में करता था काम

बहन कीर्ति ने अनुसार, लखनऊ के हुसैगंज के छितवापुर इलाके में रहने वाला 25 वर्षीय आदित्य मिश्र एक कोरियर कंपनी में काम करता था। वैसे तो उसकी नौकरी डेस्क पर थी, लेकिन लॉकडाउन के दौरान कम मैनपावर के चलते उसे फील्ड में लगा दिया गया था। कंपनी ने उसे बीते 17 मई को गोमतीनगर में एक कोरियर देने को भेजा तो आदित्य मजबूरन गाड़ी लेकर निकला। गोमतीनगर फन मॉल के पास बाइक पर 2 लोगों को बैठे देख पुलिस ने सीज कर दी। इसके बाद उसे छुटटी पर भेज दिया गया। वापस लौटने पर दो जून को उससे इस्तीफा लिया गया।

कंपनी ने 10 दिन की छुटटी पर भेजा, फिर निकाला

बाइक सीज होने के बाद आदित्य उदास होकर घर वापस आ गया। कंपनी ने लॉकडाउन के दौरान 10 दिन छुट्टी पर रहने के लिए कहा। कीर्ति ने बताया कि जब आदित्य को बुलाया गया तो उससे इस्तीफा ले लिया गया। उससे कहा गया कि अब बाइक नहीं तो उसका क्या काम है। घर में अकेला कमाने वाला आदित्य इस बात का गम सह नहीं पाया और उसने 9 जून को मौत को गले लगा लिया।

DivyaMarathi.com
MoneyBhaskar.com
HomeOnline.com
Copyright © 2020-21 DB Corp ltd., All Rights Reserved
फीडबैक दें

पर वह रोता रहा। कई बार उसे समझाया कि दूसरी नौकरी मिल जाएगी। आखिर पता नहीं उसके दिमाग में क्या ऐसा हुआ जो उसने इतना बड़ा कदम उठा लिया। उसकी दो बहनें हैं। वह अकेला बेटा था और घर के खर्च उठाता था।

Advertisement

0

फीडबैक दें